@FansofNandy Ive been a Rafi fan but Javed sensitised me to the magic of Kishore Kumar's amazing talent. Mere naina saawan bhado.Mar Jana!@AzmiShabana

बेहतर शिक्षा के दावे और पढ़ने के लिए भवन तक नहीं

Education Disaster

- एक हाथ में किताब और दूसरे हाथ में जान रखकर पढ़ रहे स्टूडेंट्स
- पिछले साल आपदा में ध्वस्त हो गए थे राज्य के लगभग नौ से ज्यादा स्कूल

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (4 Aug) : स्टेट के हायर एजूकेशन का हाल आई नेक्स्ट आपको पिछले कुछ अंकों मे दिखा चुका है, लेकिन हायर एजूकेशन के साथ ही स्कूल एजूकेशन के हाल भी बेहद बुरे हैं. स्कूल्स का आलम यह है कि छोटे बच्चे जर्जर स्कूल्स में पढ़ाई करने को मजबूर हैं. इतना ही नहीं कई स्कूल्स में यह बच्चे जान हथेली पर रखकर ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं. हालांकि एजूकेशन डिपार्टमेंट स्कूल्स की मरम्मत जल्द कराने के दावे कर रहा है.

आपदा की मार से नहीं उबरे

स्टेट के कई स्कूल्स में बच्चे एक हाथ में किताब और दूसरे हाथ में जान हथेली पर रखकर पढ़ने को मजबूर हैं. गवर्नमेंट की ओर से जर्जर हो चुके स्कूल्स की मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. लास्ट ईयर आपदा में भारी संख्या में स्टेट के स्कूल्स को नुकसान पहुंचा था. हाल यह था कि कई स्कूल्स तो नक्शे से ही मिट गए थे. तब से लेकर अब तक आपदाग्रस्त इलाकों में स्कूल्स की व्यवस्था पटरी पर नहीं आ सकी है.

दूसरे जिलों का भी हाल बुरा

आपदा प्रभावित जिलों के अलावा बाकी जिलों के स्कूल्स का हाल भी बेहाल है. यहां भी दर्जनों की संख्या में स्कूल्स ढहने की कगार पर हैं. हालात यह है कि यहां टीचर्स और स्टूडेंट्स दोनों ही जान हथेली पर रखकर पढ़ने और पढ़ाने को मजबूर हैं. इन हालातों के बाद भी डिपार्टमेंट इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है. डर सिर्फ इस बात का है कि डिपार्टमेंट द्वारा ढीली गति से चल रहे काम और सुस्ती भरा रवैया किसी दिन बड़ी घटना को अंजाम न दे दे.

FILE PIC

स्टेट में पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त स्कूल्स

प्राथमिक	131
उच्च प्राथमिक	28
माध्यमिक	4
टोटल	163
आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त स्कूल्स	
प्राथमिक	440
उच्च प्राथमिक	137
माध्यमिक	200
टोटल	737

कुल 900 स्कूल क्षतिग्रस्त

डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक स्टेट के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल्स को मिलाकर करीब 900 स्कूल क्षतिग्रस्त हैं. इनमें 163 पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हैं जबकि 737 स्कूल्स आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हैं. डिपार्टमेंट की ओर से इनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए कुल 3594.31 लाख रुपए का प्रस्ताव तैयार किया है, जिनमें से 2200.8 2 लाख रुपये की रकम पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त स्कूल्स की बिल्डिंग के पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए और 1393.49 लाख रुपए आंशिक क्षतिग्रस्त स्कूल्स की मरम्मत के लिए मांगी गई है. यह रकम सर्व शिक्षा अभियान के तहत स्वीकृत हुई है. माध्यमिक के पूर्ण क्षतिग्रस्त चार स्कूल्स का पुनर्निर्माण डिफरेंट एजेंसीज के जरिए कराया जा रहा है. वहीं 48 अन्य आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त स्कूल्स के पुनर्निर्माण के लिए एनडीआरएफ को बजट अलॉट किया गया है. बाकी स्कूल्स की मरम्मत के लिए डिपार्टमेंट लेवल पर प्रस्ताव भेजा गया है, लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है.

Official stand

'सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूल्स के पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए धनराशि स्वीकृत कर दी गई है. बच्चों की सुरक्षा को लेकर डिपार्टमेंट संजीदा है.
-बीपी मैंदोला, स्टेट प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर, सर्व शिक्षा अभियान

'माध्यमिक लेवल की पूर्ण क्षतिग्रस्त बिल्डिंग्स का पुनर्निर्माण कर लिया गया है. आंशिक क्षतिग्रस्त स्कूल्स की मरम्मत के लिए एनडीआरएफ को बजट अलॉट किया गया है.
-गजेंद्र सिंह सोन, डिप्टी डायरेक्टर प्लानिंग

City brief

गुरुजी ने लगाई दिन में दो बार हाजिरी

DEHRADUN : शासन द्वारा तय किए गए नए अटेंडेंस सिस्टम के तहत दिन में दो बार हाजिरी का सिस्टम डीएवी पीजी कॉलेज में लागू कर दिया गया. कॉलेज के प्रिंसिपल डा. देवेंद्र कुमार भसीन ने बताया कि टीचर्स नए नियम के मुताबिक दिन में दो बार यानि सुबह और शाम को अटेंडेंस लगाएंगे. उन्होंने बताया कि टीचर्स अटेंडेंस के साथ ही अपनी टाइमिंग भी दर्ज करेंगे, जिसके बाद ईवनिंग में यह अटेंडेंस शीट शासन को भेजी जाएगी. उन्होंने बताया कि सिस्टम को मंडे से लागू कर दिया गया है. इसी के तहत मंडे ईवनिंग में अटेंडेंस का पहला रिकार्ड भी शासन को भेजा जा चुका है.

मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट संघ की हड़ताल खत्म

उत्तराखंड मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंडे को समाप्त हो गई. संघ के सचिव देवेंद्र सुंदरियाल ने बताया कि डीएम चंद्रेश कुमार ने अपने आदेश वापस ले लिए हैं. इसके बाद संघ ने अपनी हड़ताल समाप्त कर दी. हालांकि मंडे को भी दिनभर कलेक्ट्रेट कर्मचारी हड़ताल पर रहे. इस कारण मंडे को भी कलेक्ट्रेट में कामकाज ठप रहा. उधर, हड़ताल समाप्त होने के बाद पब्लिक को राहत मिलेगी.

घर-घर में फहराया जाए तिरंगा

कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कैप्टन (से.नि.) बलवीर सिंह रावत ने कहा कि स्वतंत्र भारत में घर-घर में तिरंगा झंडा फहराया जाना चाहिए. उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए इसे जरूरी बताया है. उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर हाउस फ्लैग होस्टिंग लॉ को भी लागू किया जाना चाहिए.

कंप्यूटर शिक्षा है जरूरी

मानव शिक्षण-प्रशिक्षण एवं विकास संस्थान की ओर से मंडे को प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया. संस्थान के डायरेक्टर मनोज कुमार ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ कंप्यूटर शिक्षा भी अति महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि उनकी संस्थान की ओर से युवाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण के विभिन्न कोर्स करवाए जा रहे हैं. सर्टिफिकेट स्किल डेवलपमेंट और कंप्यूटर हार्डवेयर के कोर्स नि:शुल्क करवाए जा रहे हैं.

बेस्ट सब्स्क्राइबर्स के लिए सम्मान समारोह ऑर्गनाइज

देश की नामी टेलीकम्युनिकेशन कंपनी युनीनॉर ने अपने बेस्ट सब्स्क्राइबर्स के लिए सम्मान समारोह ऑर्गनाइज किया. प्रोग्राम के दौरान नवीन नौटियाल को यूनीनॉर का बेस्ट सब्स्क्राइबर चुना गया. उन्हें पुरस्कार के रूप में आईफोन प्रदान किया गया. यूनीनॉर के सर्किल बिजनेस हेड केसी नरेंद्रन ने बताया कि पिछले दिनों कंपनी के फ्री आईफोन ऑफर कॉन्टेस्ट के तहत सबसे ज्यादा रकम का रीचार्ज कराने वाले सब्स्क्राइबर को यह सम्मान दिया जाना था. इसी कड़ी में नरेंद्र नौटियाल ने यह कॉन्टेस्ट जीता है. कॉन्टेस्ट 19 जून से 18 जुलाई तक था. उन्होंने कहा कि कंपनी लगातार ग्राहकों के बीच बेहतरीन सेवाएं लेकर जा रही हैं. देहरादून के नवीन नौटियाल ने आइफोन 5सी जीतने पर खुशी जाहिर की. इस मौके पर कंपनी के अधिकारियों के साथ ही काफी संख्या में लोग मौजूद रहे.

अमीनों की हड़ताल रहेगी जारी

प्रदेश भर में उत्तराखंड राजस्व संग्रह अमीन संघ का धरना प्रदर्शन मंडे को भी जारी रहा. अमीनों ने परेड ग्राउंड में धरने पर बैठकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. संघ के प्रांतीय अध्यक्ष उदयवीर सिंह रावत ने बताया कि चार सूत्रीय मांग को लेकर पूरे उत्तराखंड में अमीनों की हड़ताल चल रही है. इस कारण प्रदेश में राजस्व वसूली का काम पूरी तरह से ठप हो गया है. उन्होंने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों को नहीं मानती है, तब तक धरना जारी रहेगा.

यूटीयू सेकेंड काउंसलिंग आज से

पते की बात

- सेकेंड काउंसिलिंग को लेकर यूटीयू को ज्यादा उम्मीद
- फर्स्ट काउंसिलिंग में नहीं भरी कॉलेज के सभी सीट

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (4 Aug) : उत्तराखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी की सेकेंड राउंड काउंसिलिंग आज से स्टार्ट होगी. इस बार यूनिवर्सिटी ने गर्ल्स स्टूडेंट्स को वुमेन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रूप में एक एक्स्ट्रा ऑप्शन दिया है.

सीट पूरी होने की उम्मीद

यूटीयू की बीटेक ऑनलाइन काउंसिलिंग का फर्स्ट फेज की काउंसिलिंग संडे को खत्म हो गई. फर्स्ट फेज की काउंसिलिंग में स्टूडेंट्स का रिस्पॉन्स उम्मीद से भी बुरा रहा. आंकड़ों पर गौर करें तो बीटेक की 12500 सीट्स के लिए हुई काउंसिलिंग में अभी महज 1525 ही एडमिशन ही हो पाए. यूटीयू के डिप्टी रजिस्ट्रार ने बताया कि फर्स्ट फेज में रिस्पॉन्स काफी कम था, लेकिन सेकेंड फेज की काउंसिलिंग में स्टूडेंट्स की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है.

काउंसिलिंग की इंपोर्टेंट डेट्स

फीस डिपॉजिट कराने की डेट-5 से 9 अगस्त, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन व च्वॉइस फिलिंग की डेट-7 से 13 अगस्त, सीट अलॉटमेंट की डेट-16 अगस्त, एडमिशन की डेट-18 से 22 अगस्त.

विधायक को घेरा

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे कॉन्ट्रेक्टेड पॉलिटेक्निक टीचर्स ने मंडे को राजपुर विधायक राजकुमार को घेर लिया. एक म्यूजिक प्रोग्राम में शिरकत करने पहुंचे विधायक को प्रदर्शनकारी टीचर्स ने खूब खरी खोटी सुनाई. उन्होंने कहा कि एक तरफ टीचर्स भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं और दूसरी तरफ जनप्रतिनिधि संगीत का आनंद उठा रहे हैं. विधायक के सीएम से वार्ता करने के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी टीचर्स शांत हुए. सोसायटी के स्टेट प्रेसीडेंट सर्वेश चौधरी ने कहा कि सरकार की अनदेखी न सिर्फ टीचर्स को नुकसान दे रही है बल्कि सेशन स्टार्ट होने के बाद स्टूडेंट्स को भी नुकसान पहुंचा रही है.